प्रारंभिक संबोधन

माननीय मुख्यमंत्री-सह-सदन नेता,

माननीय उप मुख्यमंत्री द्वय,

माननीय नेता, विरोधी दल,

माननीय उप सभापति,

माननीय सदन उप नेता द्वय,

माननीय मंत्रीगण,

माननीय मुख्य सचेतक, सत्तारूढ़ दल,

माननीय मुख्य सचेतक, विरोधी दल,

माननीय उप मुख्य सचेतक द्वय, सत्तारूढ़ दल,

माननीय सचेतक द्वय, सत्तारूढ़ दल,

विभिन्न दलों के माननीय नेतागण,

बिहार विधान परिषद् के सभी माननीय सदस्यगण,

प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधिगण !

बिहार विधान परिषद् के 209वें सत्र में आप सबों का हार्दिक अभिनन्दन करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। मुझे विश्वास है कि इस सत्र में प्रस्तावित कुल 20 बैठकों में राज्यहित एवं विकास के जुड़े अधिक-से-अधिक विषयों पर सार्थक विमर्श होंगे। सत्र के दौरान माननीय सदस्यों से यह भी अपेक्षा है कि जनहित की समस्याओं के समाधान हेतु सदन की क्रियाशीलता में सहभागी बनें।

मुझे विश्वास है कि सदन के सफल संचालन में आप सभी माननीय सदस्यों का रचनात्मक सहयोग प्राप्त होगा और सभी विषयों पर सकारात्मक विमर्श के समाधान के रास्ते प्रशस्त होंगे।

हम महामहिम राष्ट्रपति महोदया के प्रति आभार प्रकट करते हैं कि उन्होंने पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल के शताब्दी समारोह में पधारने की कृपा की। 25 फरवरी, 1925 ई. को इस अस्पताल की स्थापना हुई थी। बिहार सरकार द्वारा इसे विश्व का दूसरा सबसे बड़ा अस्पताल बनाया जा रहा है। अब 5462 बिस्तरों वाले इस अस्पताल में एम.बी.बी.एस. में 250 सीटें एवं पीजी में 200 सीटें होंगी। हमें विश्वास है कि माननीय मुख्यमंत्री की आकांक्षा के अनुरूप यह अस्पताल रोगियों के लिए गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराएगा। इसके लिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी को धन्यवाद है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत बिहार के 75 लाख किसानों के बैंक खाते में 1600 करोड़ सीधा ट्रांसफर होने से किसानों में उत्साह का वातावरण है। बिहार की फसल बीमा योजना कार्यान्वयन एवं दस हजार किसानों द्वारा फार्मर्स प्रोड्युसर ऑर्गनाईजेशन के गठन की माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रशंसा की गई है। भारत सरकार द्वारा बिहार में मखाना उत्पादक किसानों की सहायता एवं मखाना बोर्ड के गठन की घोषणा से इससे जुड़े किसानों एवं व्यवसायियों में प्रसन्नता है। भागलपुर, मुंगेर एवं बक्सर में फूड प्रोसेसिंग संस्थानों की

स्थापना से राज्य में कृषि आधारित उद्योग के विकास में वृद्धि होगी। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा विक्रमशिला महाविहार के समीप विक्रमशिला सेंट्रल यूनिवर्सिटी की स्थापना की घोषणा से बिहार का शैक्षणिक जगत पुन: गौरवान्वित हो उठा है। प्राचीन नालन्दा विश्वविद्यालय के समान शैक्षणिक उत्कृष्टता हासिल करने की दिशा में हम शनै: शनै: अग्रसर हो रहे हैं।

दिनांक 20-21 जनवरी, 2025 को अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों का 85वां सम्मेलन की मेजबानी करने का अवसर बिहार विधान मंडल को प्राप्त हुआ। भारत के संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाने में संसद और राज्य विधायी निकायों के योगदान जैसे महत्वपूर्ण विषय पर विशद चर्चा हुई। इस सम्मेलन में लिए गए निर्णयों के अनुपालन को हम अपना संसदीय दायित्व मानते हैं। इस अवसर पर देश के विभिन्न संसदीय निकायों के पीठासीन अधिकारियों की उपस्थिति से हम गौरवान्वित हुए हैं।

माननीय मुख्यमंत्री द्वारा सम्पूर्ण बिहार में प्रगति यात्रा से राज्य के विकास कार्यों में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है। इन योजनाओं में इको-टूरिज्म का विकास, नगरीय आधारभूत संरचना में वृद्धि, बाय-पास सड़क का निर्माण, रेलवे क्रॉसिंग पर ओवर ब्रिज, स्टेडियम का निर्माण, पंचायतों में खेल मैदान का विकास आदि शामिल है। इस यात्रा के दौरान जन सुविधाओं में निरन्तर विकास हेतु सैकड़ों योजनाएं तैयार हुई। इन योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु मंत्रिमंडल की स्वीकृति प्राप्त कर ली गई है और आवश्यक वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराकर त्वरित कार्यान्वयन हेतु निदेशित भी किया गया है। विकास कार्यों में माननीय मुख्यमंत्री की इस तत्परता की भूरि-भूरि प्रशंसा पूरे देश में हो रही है। सिंचाई सुविधा में वृद्धि हेतु माननीय मुख्यमंत्री ने नहरों की क्षमता में वृद्धि एवं तटबंधों के सुदृढ़ीकरण से संबंधित अनेक योजनाओं की स्वीकृति प्रदान करने की कृपा की है। राज्य के 37 जिलों में 11251 पथों के 19867 किमी के सुदृढ़ीकरण एवं इन पथों को सात साल तक दीर्घकालीन अनुरक्षण का निर्णय लेने से राज्य में चतुर्दिक विकास के कई नए आयाम खुले हैं।

माननीय मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा के दौरान लाखों लोगों की आस्था एवं विश्वास के प्रतीक विभिन्न धार्मिक स्थल एवं परिसरों के विकास की योजनाएं बनी हैं। मधेपुरा के सिंहेश्वर स्थान, पूर्णिया का माँ पूरन देवी मंदिर, मधुबनी का फुलहर स्थान, पूर्वी चम्पारण का अरेराज-सोमेश्वरनाथ मंदिर, दरभंगा का कुश्वेश्वर स्थान, सोनपुर का हरिहरनाथ मंदिर एवं मां मुण्डेश्वरीधाम इनमें शामिल हैं। इससे श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना में अधिक सुविधा मिलेगी और ये दर्शनीय तथा पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित होंगे।

माननीय मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा के दौरान लिए गए निर्णयों के कारण राज्य में इको-टूरिज्म के विकास हो रहे हैं। समस्तीपुर जिला में मुक्तापुर मोईन झील, दरभंगा शहर के गंगासागर, दिग्घी एवं हराही झील, वैशाली जिला का बरैला झील, सहरसा जिला का मत्स्यगंधा झील, कैमूर जिला का करमचट इको टूरिज्म एण्ड एडवेंचर हब, सिमरिया घाट का कल्पवास स्थल, वाल्मिकीनगर का लव कुश इको टूरिज्म पार्क आदि इसके उदाहरण हैं। पूर्णिया जिला के मां कामाख्या महोत्सव एवं सीवान जिला के महावीरी झंडा मेला को अब राजकीय मेला का दर्जा दिया गया है।

पटना के राधिका सिन्हा इंस्टिच्युट सह सिन्हा लाईब्रेरी के नए भवन निर्माण से पटना का यह गौरवशाली शैक्षणिक केन्द्र पुन: जीवन्त हो सकेगा।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का प्रतीक बना प्रयागराज में महाकुंभ के सफल आयोजन हेतु हम उत्तर प्रदेश सरकार को धन्यवाद देते हैं। लगभग 65 करोड़ लोगों के आस्था एवं विश्वास का यह कर्त्तव्य स्थल प्रशासनिक व्यवस्था के लिए अत्यंत चुनौती भरा आयोजन ही था। इस आयोजन की सफलता पर पूरी दुनिया ने पुन: भारत की नेतृत्व क्षमता पर विश्वास प्रकट किया है।

खेल को बढ़ावा देने हेतु बिहार सरकार द्वारा लिए गए नीतिगत निर्णय का सकारात्मक असर हुआ है। महिला विश्व कप कबड्डी चैम्पियनशिप, 2025 तथा सेपक टकरा विश्व कप महिला एवं पुरुष, 2025 का आयोजन पटना में होने जा रहा है। बिहार सरकार के खेलों की प्रोत्साहन नीति के सफल क्रियान्वयन से राज्य के युवक एवं युवतियों में नई प्रेरणा का संचार हुआ है।

अब हमारे बिहार विधान परिषद् के लिए गौरव की एक बात है कि बिहार विधान परिषद् सचिवालय में कार्यरत सुरक्षा प्रहरी सुश्री शिवानी कुमारी ने इसी महीने चंडीगढ़ में आयोजित अखिल भारतीय असैनिक सेवा एथलेटिक्स प्रतियोगिता के 800 मीटर एवं 1500 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक प्राप्त कर परिषद् परिवार सहित बिहार का गौरव बढ़ाया है। मैं अपनी ओर से एवं सदन की ओर से सुश्री शिवानी को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई देता हूं।

सत्र के संचालन में पूर्व की भांति परिषद् सचिवालय के अधिकारियों एवं कर्मियों तथा लोकतंत्र के प्रहरी मीडिया के बंधुओं से भी अपेक्षित सहयोग की आशा करता हूं।

अंत में, पुन: आप सबों का हार्दिक स्वागत करता हूं।

अवधेश नारायण सिंह
28 फरवरी, 2025